तापमान

अधिकतम 26.1 डिग्री
न्यूनतम 9.6 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि

रोहतक, रविवार, 16 फरवरी 2025

11 लॉन्ग जंप में आशिमा रही प्रथम, विजडम स्कूल में वार्षिक एथलेटिक्स मीट

12 उमरा में घरों के बाहर बिजली मीटर नहीं लगने दिए जाएंगे

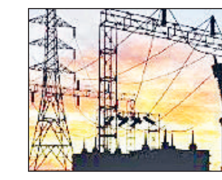

खबर संक्षेप

485 ग्राम चरस के साथ एक आरोपी काबू

नारनौंद। एंटी नारकोटिक्स सेल ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी मिर्चपुर गांव निवासी टिंकू को 485 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस को गश्त पड़ताल के दौरान सुचना मिली थी गांव मिलकपुर से मिर्चपुर रोड़ पर एक व्यक्ति नशीला पदार्थ लेकर जाएगा। एंटी नारकोटिक्स सेल ने कार्रवाई करते हुए मिलकपुर गांव के समीप नाकाबंदी कर शक के आधार पर एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को रुकवाकर उसकी तलाशी ली तो आरोपी के कब्जे से 485 ग्राम नशीला पदार्थ चरस बरामद हुई। आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ नारनौंद थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर नशीले पदार्थ व मोटरसाइकिल को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सट्टा खेलते 14500 के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। शहर थाना पुलिस ने सट्टा खाईवाल करते हुए जगदीश कॉलोनी निवासी प्रिंस को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गश्त पड़ताल के दौरान शहर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि जगदीश कॉलोनी में सरेआम एक व्यक्ति सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहा है। सूचना के आधार पर टीम का गठन कर टीम ने मौका पर जाकर प्रिंस को 14500 रुपये की नकदी सहित गिरफ्तार कर लिया।

पानी की मोटर चोरी का एक आरोपी गिरफ्तार

नारनौंद। पुलिस ने पानी की मोटर चोरी करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान रवि निवासी वार्ड नंबर 12 नारनौंद के रूप में हुई है। आरोपित युवक रवि ने 13 फरवरी की रात को वार्ड नंबर 11 निवासी अनूप के मकान के सामने से पानी की मोटर चोरी कर ली थी। थाना नारनौंद पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से चोरी किया सामन बरामद कर लिया।

रोडवेज से दंपति के ट्रॉली बैग से गहने चुराए, केस

उकलाना मंडी। सिरसा से उकलाना आ रही रोडवेज बस में एक दंपती के ट्रॉली बैग से लाखों रुपये के गहने चुरा लिए। उचाना निवासी राजकुमार अपनी पत्नी आरती के साथ सिरसा बस स्टेंड से रोडवेज की बस में सवार हुआ। दंपती के पास एक ट्रॉली बैग था, जिसमें कपड़े व कीमती गहने रखे थे। दोपहर 12:30 बजे जब बस उकलाना बस स्टेंड पहुंची तो दंपती ने अपना बैग देखा तो उसमें से दो सोने के हार सेट, दो सोने के झुमके और एक जोड़ी चांदी की पाजेब गायब मिले।

निकाय चुनाव को लेकर सक्रिय हुए राजनीतिक दल, कल नामांकन का अंतिम दिन

भाजपा ने 20 वार्डों के पार्षद उम्मीदवार किए घोषित जिंदल हाउस की चली, 6 को टिकट

निकाय चुनाव : नामांकन के पांचवें दिन मेयर के दो पार्षद पद के लिए 16 उम्मीदवारों ने भरे पर्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने नगर निगम चुनाव के लिए शहर के सभी 20 वार्डों के पार्षद पदों के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। सूची के अनुसार चार बार के पार्षद रहे डॉ. महेन्द्र जुनेजा का नाम वार्ड 17 से कट गया है। पहले वे वार्ड 16 से लड़ते रहे हैं मगर इस बार उनका वार्ड एससी रिजर्व हो गया था। इस कारण वह साथ लगते वार्ड नंबर 17 से चुनाव लड़ना चाह रहे थे लेकिन पार्टी ने उनकी टिकट ही काट दी। इसी तरह कई वार्ड महिला रिजर्व होने के कारण पूर्व पार्षदों की जगह उनकी पत्नियों को मैदान में उतारा गया है। हिसार की विधायक सावित्री जिंदल के समर्थक माने जाने वाले 6 से ज्यादा आवेदकों को भाजपा ने टिकट थमाया है।

खास यह रही कि 4 बार के पार्षद महेंद्र जुनेजा का टिकट वार्ड 17 से कट गया है। भाजपा की सूची के अनुसार वार्ड नंबर 2 से कविता केडिया का टिकट काटकर मोहित सिंघल को दिया गया है। वार्ड नंबर 5 से पिछली बार भीम महाजन की पत्नी चुनाव मैदान में थी तो इस बार खुद भीम महाजन चुनाव लड़ रहे हैं। वार्ड नंबर 12 और 13 से जिंदल ने अपने समर्थकों को टिकट दिलवाया है। भाजपा ने जिंदल हाउस समर्थित 6 पार्षदों को टिकट दिया है। इसमें वार्ड नंबर एक से टीनू जैन की पत्नी सरोज जैन, वार्ड 8 से राजेंद्र सैनी, वार्ड 12 से जगमोहन मित्तल, वार्ड 13 से संजय डालमिया व वार्ड 5 से भीम महाजन का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है।

हिसार : नामांकन दाखिल करते भाजपा उम्मीदवार प्रवीण पोपली और मंच पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

सीएम ने पार्टी कार्यकर्ताओं ने भरा जोश, चुनाव कार्यालय का उद्‌घाटन

हिसार। नगर निगम मेयर पद के लिए भाजपा की तरफ से प्रवीण पोपली को प्रत्याशी बनाने के बाद शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं हिसार पहुंचे और पोपली के चुनावी कार्यालय का उद्‌घाटन किया। सीएम के आगमन के कारण पार्टी से मेयर की टिकट की दौड़ में शामिल अधिकतर चेहरे मौके पर मौजूद दिखाए दिए। इससे जनता में संदेश गया कि प्रवीण पोपली को मेयर पद का प्रत्याशी बनाए जाने से किसी अन्य दावेदार में कोई नाराजगी नहीं है और पार्टी पूरी तरह से निकाय चुनाव के लिए एकजुट है।

मंच पर भाजपा जिला नेतृत्व के साथ जिंदल हाउस के प्रतिनिधि भी सीएम सैनी के साथ दिखाई दिए। इस दौरान सीएम ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। हिसार में पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रवीण पोपली को उम्मीदवार बनाया गया है। वे पार्टी के निष्ठावान व समर्पित कार्यकर्ता है और उनमें शहर का विकास करवाने का जज्बा है।

पोपली ने किया जीत का दावा

नगर निगम चुनाव में भाजपा के मेयर उम्मीदवार प्रवीण पोपली ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन के बाद उन्होंने जनता के आशीर्वाद से जीत का दावा किया और कहा कि जीत के बाद शहर के विकास व स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान उनक साथ पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, जिला अध्यक्ष अशोक सैनी एवं अन्य वरिष्ठ नेता भी थे। नामांकन के दौरान जिला महामंत्री आशीष जोशी, प्रवीण जैन, डॉ. रमेश आर्य, महाबीर जांगड़ा मौजूद रहे।

आज अवकाश, कल नामांकन का आखिरी दिन

हिसार। नामांकन प्रकिया के तहत पांचवें दिन मेयर पद के लिए भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पोपली तथा मंजू ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं, पार्षद पद के लिए वार्ड नंबर 2 से ईशा गर्ग, वार्ड नंबर 4 से सुनिल कुमार तथा शुभम, वार्ड 6 से बबीता तथा कोमल सैनी, वार्ड नंबर 7 से संतोष देवी, वार्ड नंबर 10 से प्रीति, सुजीता, नीलम देवी एवं सुमन रानी, वार्ड नंबर 11 से पूजा, राजेंद्र तथा अनिल कुमार, वार्ड नंबर 16 से शिवदयाल, वार्ड नंबर 18 से राजकुमार तथा वार्ड नंबर 20 से सतीश ने संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के समक्ष अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। निकाय चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी कम सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह ने बताया कि रविवार को अवकाश रहेगा तथा 17 फरवरी को नामांकन का अंतिम दिन रहेगा।

ये भाजपा के पार्षद उम्मीदवार

भाजपा ने अपनी सूची के अनुसार वार्ड 1 से सरोज जैन, वार्ड 2 से मोहित सिंघल, 3 से ज्योति वर्मा, वार्ड 4 से हरिसिंह सैनी, 5 से भीम महाजन, 6 से सुमित्रा देवी, 7 से मनोहर लाल वर्मा, 8 से राजेन्द्र सैनी, 9 से शीला देवी व वार्ड 10 से साक्षी शामिल है। इसी तरह वार्ड 11 से नरेश ग्रेवाल, वार्ड 12 से जगमोहन मित्तल, 13 से संजय डालमिया, 14 से डॉ. सुमन यादव, 15 से संतोष सैनी, 16 से राजेन्द्र बिडलान, 17 से राजेश अरोड़ा, 18 से गुलाब सिंह, 19 से पिंकी शर्मा तथा वार्ड 20 से नवीन कुमार को उम्मीदवार बनाया गया है।

मेयर चुनावः कांग्रेस ने भाजपा के पंजाबी के सामने वैश्य को उतारा, टीटू सिंगला को बनाया अपना उम्मीदवार

हिसार। कांग्रेस पार्टी ने नगर निगम चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने हिसार नगर निगम में मेयर पद के लिए कृष्ण सिंगला टीटू को उम्मीदवार बनाया है। कृष्ण सिंगला कई वर्षों से पार्टी से जुड़े हुए हैं और वे पहले भी नगर परिषद के अध्यक्ष रह चुके हैं। भाजपा द्वारा मेयर व पार्षद पद के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कांग्रेस की सूची का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। दोपहर बाद कांग्रेस ने अपनी सूची जारी कर दी। कांग्रेस ने नप के पूर्व अध्यक्ष रह चुके पार्टी नेता कृष्ण सिंगला टीटू पर दांव खेला है। वे कई वर्षों से कांग्रेस की राजनीति से जुड़े हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस टिकट के लिए आवेदन किया था। उम्मीदवार बनाए गए कृष्ण सिंगला टीटू वैश्य समाज से आते हैं। उनका शहर के दो प्रमुख राजनीतिक घरानों से काफी गहरा संबंध रह चुका है।

भाजपा ने पंजाबी को बनाया उम्मीदवारः निगम चुनाव में भाजपा ने आएसएस परिवार से जुड़े पंजाबी समाज के प्रवीण पोपली को उम्मीदवार बनाया है। शहर में पंजाबी समुदाय के सबसे ज्यादा वोट है। इसके बाद वैश्य समुदाय व फिर सैनी समुदाय के वोट है। भाजपा का मानना है कि मुख्यमंत्री के सहारे सैनी वोट लेकर पंजाबी वोटों के सहारे जीत दर्ज की जा सकती है।

वैश्य समाज को साधने का प्रयासः कांग्रेस ने कृष्ण सिंगला टीटू को उम्मीदवार बनाकर शहर में दूसरे नंबर के सबसे बड़े वोट बैंक वैश्य समुदाय को साधने का प्रयास किया है। चुनावी हार जीत में वैश्य समाज की प्रमुख भूमिका रहती है। पिछले दो चुनावों में डॉ. कमल गुप्ता भाजपा टिकट पर इसी समुदाय से विधायक रहे हैं व विधायक सावित्री जिंदल भी इसी समुदाय से हैं।

राजलीवाला के न आने पर कांग्रेस ने खेला दांवः शहर की राजनीति में चर्चा है कि जिंदल हाउस पहले अपनी खास समर्थक शकुंतला राजलीवाला को मेयर का चुनाव लड़वाना चाहती थी, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाई। सत्तारूढ़ दल से हुई वार्ता के बाद उनके 6 समर्थकों को वार्ड पार्षदों का टिकट दिया गया है। राजलीवाला के न आने पर कांग्रेस ने अब वैश्य समुदाय पर दांव खेलकर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है।

चेयरमैन के 5 व पार्षद के 29 उम्मीदवारों ने किया नामांकन

नारनौंद। नारनौंद नपा चेयरमैन पद के लिए शनिवार को पांच उम्मीदवारों ने नामांकन किया। अब तक चेयरमैन तथा नगर पार्षद पदों के लिए 45 उम्मीदवार नामांकन कर चुके हैं। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मोहित महराणा ने जानकारी देते हुए बताया कि नारनौंद नगर पालिका चेयरमैन पद के लिए शनिवार को पांच उम्मीदवारों ने नामांकन किया। नगर पार्षद पदों के लिए 29 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। शनिवार चेयरमैन पद के लिए सुरेश कुमार, मनीष कुमार, शमशेर कूकन, अनुराधा, सुमन देवी व पार्षद के लिए वार्ड नंबर एक से महेंद्र व अनिल, वार्ड 2 से पिंकी, रीना, वार्ड चार से चांदराम, रामलाल, वार्ड 5 सुखबीर, अनीता, जोगिंदर, रामकुमार, वार्ड 6 से रितु, वार्ड 7 से विनोद, सुरेंद्र, सोमबीर, वार्ड आठ से सुषमा वार्ड 9 से विनोद, वार्ड दस अंकुश, सचिन, वार्ड 11 से रोहतास, विकास वार्ड 12 से सोनू, सत्यवान, वार्ड 13 से हर्ष, देवेंद्र, वार्ड 15 से रेखा, मुकेश, वार्ड 16 से ईश्वर, कुलबीर ढीलू, सुरेंद्र लोहान उर्फ मोनू मैं नामांकन दाखिल किया है।

बनभौरी में प्रवासी मजदूरों पर बर्बरता का आरोपी बसाऊ हाईकोर्ट पहुंचा

- जमानत याचिका पर 17 फरवरी सोमवार को होगी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

बरवाला थाना क्षेत्र के गांव बनभौरी में नवरात्र मेले में प्रवासी 11 मजदूरों को बंधक बनाकर मारपीट और पैसे वसूलने के गंभीर मामले में नामजद आरोपी बसाऊ ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। आरोपी बसाऊ पिछले चार महीने से हिसार सेंट्रल जेल में बंद है। इससे पहले आरोपी बसाऊ की छह नवंबर 2024 को हिसार में डाक्टर गगनदीप मित्तल एएसजे की कोर्ट से जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। इस मामले में 10 अक्टूबर 2024 को बरवाला थाना में दर्ज केस में पांच नामजद सहित कुल 15 आरोपियों पर प्रवासी मजदूरों को बंधक बनाकर बर्बरता करने एवं अवैध रूप से पैसे वसूलने के आरोप लगे थे। वर्तमान में वीर सिंह चहल, ठेकेदार सतीश, सेवा सिंह, बसाऊ और सतबीर हिसार सेंट्रल जेल में बंद हैं जबकि अमन, राजेंद्र और अन्य आठ आरोपियों की गिरफ्तारी अभी बाकी है। जेल में बंद सभी आरोपियों की सेशन कोर्ट हिसार से जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। भीम आर्मी हिसार प्रवासी मजदूरों के समर्थन में खड़ी हुई थी और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

रंग आंगन महोत्सव में एक गांव की कहानी नाटक 'बकरी' का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- समाज में फैले भ्रष्टाचार, शोषण और अमानवीयता पर एक तीखा व्यंग्य
- समाज में शोषण का शिकार कमजोर और बेसहारा इंसानों की स्थिति को किया उजागार
- समाज को मानवीय मूल्यों की रक्षा का दिया संदेश

जिंदल स्टेनलेस के कर्मचारियों ने शनिवार को अभिनव रंग मंच द्वारा आयोजित ग्यारहवें रंग अंगन महोत्सव में नाटक 'बकरी' का मंचन किया। इस नाटक का निर्देशन राज बहादुर आर्य ने किया। नाटक में समाज में फैले भ्रष्टाचार, शोषण और अमानवीयता पर एक तीखा व्यंग्य किया गया है। यह कहानी एक गांव की है, जहां बकरी सत्ता, संपत्ति और अधिकार का प्रतीक बन जाती है। गांव के नेता, अधिकारी और अन्य लोग अपने-अपने स्वार्थ के लिए इसे हथियाने की कोशिश करते हैं। रचनाकार सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की यह कृति हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है।

यह नाटक दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि यदि एक बेजुबान जानवर को स्वार्थ और शोषण का शिकार बनाया जा सकता है, तो कमजोर और बेसहारा इंसानों की स्थिति क्या होगी? दर्शकों को इस प्रभावशाली मंचन ने झकझोर कर रख दिया और मानवीय मूल्यों की रक्षा का संदेश दिया। इस नाटक की मुख्य भूमिका में मेजर ईशा, दीपक खन्ना, सूरज कुमार, संदीप कुमार और जय कुमार शर्मा थे। वहीं ग्रामीण भूमिका में बादल, देवानंद, सर्वेश, दिनेश पाल, पूजा, प्रशांत और जागरूक युवक की भूमिका में सुनील कुमार रहे। अपने संगीत से राजेश्वर और नागनारायण ने नाटक को और भी आकर्षक बना दिया। नट नाटनी का अभिनय बिंदिया और रेनू ने किया।

बेटा पैदा न होने से दु:खी पांच बेटियों की मां ने लगाया फांसी का फंदा, मौत

- बड़सी गांव निवासी किरण की 21 साल पहले रायपुर गांव के धर्म सिंह के साथ हुई थी
- छत पर निकले सरिये से रस्सी बांधकर लगाया फांसी का फंदा, छोटी बेटी के रोने की आवाज सुनकर बाहर आया था धर्म सिंह

हिसार। गांव रायपुर में बेटा पैदा नहीं होने से दुखी 5 बेटियों की मां ने फंदा लेकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतका महिला 33 वर्षीय किरण बाला के शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी।

गांव रायपुर के धर्म सिंह ने बताया कि करीब 21 साल पहले उसकी शादी गांव बड़सी की किरण बाला के साथ हुई थी। उसकी बड़ी बहन मीना की शादी मेरे भाई रमेश के साथ हुई थी। उन्होंने बताया कि मेरी पत्नी ने पांच बेटियों को जन्म दिया। बेटा पैदा न होने से किरण बाला अक्सर परेशान रहती थी। हमने उसको कई बार समझाया था, मगर उसके बावजूद वह परेशान रहती थी। मैं शुक्रवार रात करीब दस बजे कमरे के अंदर बैठकर खाना खा रहा था। पत्नी घर के आंगन में थी। धर्म सिंह ने बताया कि कुछ देर बाद छोटी बेटी की रोने की आवाज सुनाई दी। उसके बाद मैंने कमरे से बाहर आकर देखा तो पत्नी ने आंगन में छत से बाहर निकले लोहे के सरिये पर रस्सी से फंदा लगाया हुआ था। मृतका के परिजनों के बयान पर इत्तेफाकिया कार्रवाई की है।

सरसौद में कुकिंग, हस्तशिल्प व मशरूम खेती पर व्याख्यान का किया आयोजन

- कार्यक्रम में महिलाओं को व्यंजन, आचार इत्यादि बनाकर अपनी आय बढ़ाने के तरीकों की दी जानकारी, उपलब्धियों पर छात्राओं को बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

बरवाला। महिलाओं को संबोधित करते सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप भ्याण।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आईसी कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की छात्राओं ने शनिवार को गांव सरसौद के शिवालय में कुकिंग, हस्तशिल्प और मशरूम खेती पर व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन आईसी कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सरोज यादव और डॉ. वंदना वर्मा के मार्गदर्शन में किया गया था। डॉ. सरोज यादव ने महिलाओं को अपने आय के श्रोत विकसित करने व आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। गांव की सरपंच सुनीता भ्याण व प्रतिनिधि सरपंच प्रदीप भ्याण ने भी भाग लिया और छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

कुकिंग प्रतियोगिता में गांव की महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए, जिनमें स्थानीय सामग्री का उपयोग किया गया था। महिलाओं ने विभिन्न प्रकार सुंदर वस्तुओं का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात मशरूम खेती पर व्याख्यान में, विकास वर्मा, मशरूम फार्म उद्यमी ने महिलाओं को मशरूम की खेती के बारे में जानकारी प्रदान की।

सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप भ्याण ने भी महिलाओं को अपना व्यवसाय खोलने पर कई नए सुझाव दिए। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं की घोषणा की गई व प्रदीप भ्याण ने छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

हर्षिता मामलाः बढ़ा पुलिस जांच का दायरा, रिश्तेदारों व मित्रों से संपर्क

दादी को मिला शिक्षकों व सहपाठियों का साथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

आजाद नगर की गीता कॉलोनी से साढ़े चार माह पहले लापता हुई 16 वर्षीय हर्षिता के मामले में नित नए खुलासे हो रहे हैं। एक दिन पहले ही हर्षिता की दादी ने जहां उसके माता-पिता पर हर्षिता को प्रताड़ित करने व खाना तक न देने के आरोप लगाए थे वहीं अब स्कूल व उसके साथ काम करने वालों ने भी यही बातें कही है।

जानकारी के मुताबिक साढ़े चार माह से गुमशुदा 16 वर्षीय हर्षिता के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। हर्षिता के स्कूल, साथ काम करने वाले कर्मचारियों सहित रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में सामने आया कि वह उत्पीड़न का शिकार थी। स्कूल संचालक ने बताया कि हर्षिता होनहार छात्रा थी। वह बहुत लगन से पढ़ाई करती थी।

उसकी दादी और बुआ ने स्कूल में एडमिशन करवाया और उसकी फीस देते थे। वह नियमित स्कूल आती थी। कुछ दिन बाद उसने स्कूल आना कम कर दिया। स्कूल न आने का वह कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। सिर्फ ये बताया कि वह अपने माता पिता के पास आ गई। वह बहुत गुमसुम और डरी डरी रहती थी। साल भर से उसकी स्कूल फीस भी पेंडिंग थी।

पुलिस ने तेज की तलाश

पुलिस हर्षिता की तलाश में लगातार जांच का दायरा बढ़ा रही है। उसकी तलाश के लिए उसके रिश्तेदारों सहित आमजन से भी सहायता ली जा रही है। उसकी तलाश के लिए पुलिस शहर के काफी स्थानों पर पोस्टर चस्पा करवाने, अखबार में विज्ञापन देने के अलावा कई सीसीटीवी फुटेज खंगाल चुकी है, साथ ही गुमशुदा लड़की के बारे में सूचना देने वाले को हिसार पुलिस की तरफ से दो लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई है। पुलिस का भी मानना है कि गुमशुदा लड़की उत्पीड़न का शिकार थी जिसके कारण वह घर छोड़कर गई।

लापता युवती हर्षिता।

सहपाठी बोली, बताती थी उसे खाना नहीं देते

हर्षिता की सहपाठी ने बताया कि वह अच्छी लड़की थी। वह बताती थी कि उसके माता पिता उसके साथ मारपीट करते हैं, खाना नहीं देते, उसके और उसके भाइयों के बीच भेदभाव करते हैं। पहले भी कई बार वह रात रात भर घर से बाहर रहती और साकेत कॉलोनी स्थित पार्क में सोती थी। लापता होने से एक दिन पहले भी वह अपने घर से निकल गई और ढूंढने पर वह लीडिंग स्कूल वाली गली के कोने पर बैठी मिली, जिसे समझा बुझा कर घर लाया गया।

हर एंगल से जारी जांच

प्रवक्ता के अनुसार पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड, धर्मशाला, गर्ल हॉस्टल, अनाथालय चेक किए गए है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। हर्षिता को तलाश करने के लिए पुलिस की हिसार पुलिस, क्राइम ब्रांच व एसटीएफ के 30 से अधिक पुलिस अधिकारी लगे हुए हैं। स्टेट क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग विंग जो स्पेशल गुमशुदा लोगों की ढूंढने का काम करती है वो भी हर्षिता की तलाश में जुटी है।

फुटेज आई सामने

एक फुटेज के अनुसार लड़की अकेली जाती हुई दिख रही है। इससे साफ़ पता चल रहा है कि वो अपने मर्जी से जा रही है। पुलिस द्वारा साइबर सेल की मदद के टेक्निकल एनालिसिस करते हुए हिसार, फतेहाबाद, सिरसा आदि जिलों में तलाशी अभियान जारी है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने सैकड़ों कैमरों की फुटेज खंगाली है।

हर्षिता जहां काम काम करती थी वहां की इंचार्ज ने बताया कि हर्षिता ने वहां लगभग दो महीने काम किया। हर्षिता का मेहनताना उसकी मां रागिनी हमेशा एडवांस में ले जाती थी। कभी कभी उसके चेहरे और गर्दन पर लगे निशान के बारे पूछने पर उसने बताया कि ये निशान मम्मी की पिटाई के है। मम्मी बुखार में भी काम करवाती है।

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दौरान मुनाफे का सौदा

- परिसंपत्ति का 65 से 80% आवंटन शेयरों में किया जाता है निवेश
- शेष बॉन्ड में लगाया जाता है, इसमें नुकसान होने बेहद कम चांस
- शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती
- संतुलित परिसंपत्ति आवंटन से चुनौतियों से निपटने में समर्थ

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों के लिए हमेशा से ही एक चुनौती बनी हुई है। इसके साथ ही लंबे इंतजार के बाद ब्याज दर में कटौती की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में निवेश के मोर्चे पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड म्युचुअल फंड के जरिये निवेश समझदारी भरा कदम हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के दबाव और ब्याज दर में संभावित कटौती जैसी आशंकाओं के कारण शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव वाले मौजूदा माहौल में निवेश के लिए अग्रेसिव हाइब्रिड फंड बिल्कुल उपयुक्त हैं। ये संतुलित परिसंपत्ति आवंटन के कारण ऐसे फंड इन चुनौतियों से निपटने में अधिक समर्थ होते हैं।' 'हाइब्रिड फंड सभी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होते हैं। ये फंड इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनसे परिसंपत्ति वर्ग में भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।'

उतार-चढ़ाव से बचाव

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के तहत परिसंपत्ति का 65 से 80 फीसदी आवंटन शेयरों में और शेष बॉन्ड में किया जाता है। आम तौर पर ये फंड अपने इक्विटी पोर्टफोलियो के लिए लार्जकैप शेयरों में अधिक निवेश करने की रणनीति अपनाते हैं। इससे मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में अधिक निवेश वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों में गिरावट आने पर पोर्टफोलियो के बॉन्ड वाले हिस्से से पूंजीगत लाभ मिलता है। मगर ब्याज दरों में वृद्धि होने पर अल्प अवधि में नुकसान भी हो सकता है।

70 फीसदी आवंटन लार्जकैप में

बाजार के जानकारों के अनुसार 'फिलहाल इस श्रेणी में 70 फीसदी से अधिक का आवंटन लार्जकैप शेयरों में किया जाता है। इससे पोर्टफोलियो को स्थिरता मिलती है और उस पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप में अधिक आवंटन वाले पोर्टफोलियो के मुकाबले बाजार के उतार-चढ़ाव का कम असर होता है। स्मॉलकैप शेयरों में 5 से 7 फीसदी और बाकी

मिडकैप शेयरों में निवेश किया जाता है। इससे फंड के इक्विटी पोर्टफोलियो में मिडकैप एवं स्मॉलकैप से संबंधित जोखिम कम होता है। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर फिलहाल अधिक मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा डेट वाला हिस्सा पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता प्रदान करता है।'

लार्जकैप बेहतर

आर्थिक मंदी और कंपनियों के सुस्त मुनाफे जैसी स्थितियों का सामना करने के लिए लार्जकैप शेयर आम तौर पर मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के मुकाबले बेहतर स्थिति में होते हैं। 'वित्त वर्ष 2024 जैसी बाजार परिस्थितियों में हाइब्रिड फंड शुद्ध इक्विटी फंड के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन करते हैं। मगर वे लंबी अवधि में जोखिम के बाद भी बेहतर रिटर्न देते हैं क्योंकि बाजार का रुख आम तौर पर चक्रीय होता है। शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के शानदार रिटर्न के बाद 2025 उतार-चढ़ाव वाला वर्ष हो सकता है। ऐसे में हाइब्रिड फंड का प्रदर्शन आम तौर पर बेहतर होता है। इसके अलावा हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल दरों में कटौती करेगा। इससे डेट फंड को अधिक रिटर्न देने में मदद मिलेगी क्योंकि बॉन्ड की कीमतों में तेजी आ सकती है।'

किसे करना चाहिए निवेश?

अग्रेसिव हाइब्रिड फंड उन निवेशकों को आकर्षित करते हैं जो अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं। 'यह फंड कम जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है क्योंकि डेट आवंटन के कारण इसमें उतार-चढ़ाव का जोखिम कम होता है। इसके अलावा यह फंड उन नए निवेशकों के लिए भी उपयुक्त हैं जो शेयर बाजार में अपेक्षाकृत सुरक्षित तरीके से प्रवेश करना चाहते हैं और जिनके वित्तीय लक्ष्य मध्यावधि के लिए हैं।'

इन बातों का रखें ध्यान

निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का आकलन करना चाहिए और जोखिम लेने की अपनी क्षमता के अनुरूप फंडों का चयन करना चाहिए। उन्हें निवेश से पहले फंड के पिछले प्रदर्शन पर भी गौर करना करना चाहिए। वैसे तो इन फंडों की रफ्तार अपेक्षाकृत स्थिर होती है, लेकिन कभी-कभी उतार-चढ़ाव का दौर भी दिख सकता है। इसलिए निवेशकों को कम से कम 5 साल के लिए निवेश पर विचार करना चाहिए। इन फंडों में निवेश करने का सबसे प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। 'अग्रेसिव हाइब्रिड फंडों में कम से कम 3 से 5 साल तक निवेश रखना चाहिए। इससे निवेशक को बाजार चक्रों के प्रभावों से निपटने और संतुलित रिटर्न हासिल करने में मदद मिलती है।' उनका सुझाव है कि मध्यम जोखिम लेने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 15 से 25 फीसदी आवंटन इस फंड में कर सकते हैं जबकि कम जोखिम लेने वाले निवेशकों को 10 से 15 फीसदी आवंटन करना चाहिए।

मल्टी एसेट फंड: बाजार की उथल-पुथल के बीच स्टेबल रिटर्न का दम

- 1 से 5 साल में मल्टी एसेट फंड की टॉप स्कीम्स ने दिया अच्छा पैसा
- कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने के लिए जाना जाता है
- इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें

जानकारी

बिजनेस डेस्क

बाजार में भारी उथल-पुथल हो तो तमाम निवेशकों के सामने स्टेबल रिटर्न हासिल करने की चुनौती खड़ी हो जाती है। म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले रिटेल इनवेस्टर्स के सामने भी यही सवाल होता है कि इक्विटी फंड्स के गिरते रिटर्न के बीच उन्हें कहां निवेश करना चाहिए? हालांकि इक्विटी फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करना चाहिए और शॉर्म टर्म में होने वाली उथल-पुथल से घबराना नहीं चाहिए, लेकिन सच तो यह भी है कि इक्विटी मार्केट के उतार-चढ़ावों को बैलेंस करने के लिए आपके पोर्टफोलियो में डेट से लेकर गोल्ड और सिल्वर तक, दूसरे एसेट क्लास वाले निवेश भी शामिल होने चाहिए। मगर जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो इतना बड़ा नहीं होता कि वे इतने सारे अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश कर सकें, उनके सामने क्या विकल्प? इस सवाल का जवाब हो सकते हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के जरिये कम पैसों में ही पोर्टफोलियो को तमाम एसेट क्लास में डायवर्सिफाई किया जा सकता है।

एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. व्हाइटओक कैपिटल मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 19.66%
2. डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 17.23%
3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 16.11%
4. निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.98 %
5. आदित्य बिड़ला सन लाइफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.81%
6. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.45%
7. बंधन मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.39%
8. एक्सिस मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.10%

लॉन्ग टर्म रिटर्न : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का लॉन्ग टर्म रिटर्न देखने से पता चलता है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी यह काफी बेहतर विकल्प हो सकते हैं। टॉप 5 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स के पिछले 5 साल के रिटर्न के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड

1. क्वांट मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 27.78 %
2. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 21.68%
3. यूटीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.84%
4. एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड, डायरेक्ट प्लान : 15.70%
5. एसबीआई मल्टी एसेट एलोकेशन फंड, डायरेक्ट प्लान : 14.39%

मल्टी एसेट फंड्स की इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी : मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स की निवेश रणनीति में निवेशकों को हमेशा स्टेबल और बैलेंस्ड रिटर्न देने पर जोर दिया जाता है। अपने इस मकसद को हासिल करने के लिए ये फंड इक्विटी और डेट के अलावा गोल्ड, सिल्वर, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स में भी पैसे लगाते हैं। इक्विटी, डेट और गोल्ड में इनका निवेश कम से कम 10-10% होता है। ऐसी निवेश रणनीति और अल-अलग एसेट क्लास में बंटे पोर्टफोलियो की वजह से ये फंड बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के दौरान भी बेहतर रिटर्न देने में सफल होते हैं। साथ ही ये फंड कम रिस्क में बेहतर रिटर्न के लिए बाजार के हालात और ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए अपने एसेट एलोकेशन में बदलाव भी करते रहते हैं।

अस्थिरता के दौर में निवेश का बेहतर विकल्प

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स को उनके डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की वजह से उतार-चढ़ाव भरे माहौल में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इन फंड्स के पोर्टफोलियो में इक्विटी से लेकर डेट और गोल्ड-सिल्वर समेत तमाम अलग-अलग एसेट्स क्लास शामिल होते हैं। यही वजह है कि इनका रिस्क-रिटर् बैलेंस काफी अच्छा रहता है।

टॉप मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स का 1 साल का रिटर्न

इन दिनों बाजार में देखी जा रही भारी उथल-पुथल के बावजूद कम से कम 8 मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स ऐसे हैं, जिन्होंने 1 साल में 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाले फंड का एक साल का रिटर्न लगभग 20% रहा है। एक हाइब्रिड फंड्स के लिए इतना रिटर्न काफी अच्छा माना जा सकता है। खास तौर पर बाजार में गिरावट के माहौल को देखते हुए यह वाकई बढ़िया प्रदर्शन है।

किनके लिए सही हैं मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

ऐसे इनवेस्टर मल्टी एसेट एलोकेशन फंड में निवेश करने की सोच सकते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के दौरान स्टेबल रिटर्न चाहते हैं और इसके लिए अपने पोर्टफोलियो में हर एसेट क्लास को जगह देना चाहते हैं। खास तौर पर ऐसे छोटे निवेशक, जो डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करने के लिए ज्यादा बड़ी रकम नहीं लगा सकते, मल्टी एसेट फंड पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता के बावजूद इक्विटी में एक्सपोजर और दूसरे एसेट्स के बाजार की परिस्थितियों से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मल्टी एसेट फंड्स का रिस्क लेवल 'हाई' या 'वेरी हाई' रखा गया है। यानी रिस्क तो इनमें निवेश के साथ भी जुड़ा हुआ है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले सभी बातों को अच्छी तरह समझ लें।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सिफारिश करना नहीं है। म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न को भविष्य में वैसे ही प्रदर्शन की गारंटी नहीं माना जा सकता। निवेश का कोई भी फैसला सेबी से मान्यता प्राप्त निवेश सलाहकार की राय लेने के बाद ही करें।)

पैसिव म्यूचुअल फंड बढ़ रहा बोलबाला एयूएम 24% बढ़कर 11 लाख करोड़ पर

- लगातार निवेशकों की बनते जा रहे हैं पसंद, दे रहे बढ़िया रिटर्न
- इस साल पैसिव फंडों ने मचाया धमाल, दिया कई गुणा मुनाफा
- पैसिव म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी

योजना

बिजनेस डेस्क

तेजी से बढ़ रही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में इस समय पैसिव फंड का बोलबाला है। साल 2024 में इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सहित पैसिव फंड के निवेशकों के पोर्टफोलियो यानी खाता संख्या में 37 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 24% से ज्यादा बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आखिर पैसिव फंड क्या होते हैं, जिनका बोलबाला इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है और निवेशकों को यह फंड क्यों इतने पसंद आ रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों ने 2024 में कुल 122 नई पैसिव फंड योजनाएं लॉन्च कीं। फंड इंडस्ट्री में सबसे प्रमुख कंपनियों में शामिल निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के पास अब पैसिव फंडों में 1.46 करोड़ पोर्टफोलियो हैं। इसका कुल एयूएम 1.65 लाख करोड़ रुपये है और ईटीएफ के ट्रेडिंग वॉल्यूम का 55% बड़ा हिस्सा है। कोटक म्यूचुअल फंड, एक्सिस और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड जैसे अन्य फंड हाउसों ने भी पैसिव फंड में बेहतर वृद्धि दर्ज की है।

क्यों खास हैं पैसिव फंड

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड के ईटीएफ प्रमुख अरुण सुंदरेसन कहते हैं कि पैसिव एक दिलचस्प ऑफरिंग बनाता है। फंड बाजार के विभिन्न हिस्सों में शुद्ध एक्सपोजर प्रदान करते हैं, जिससे वे सच्चे, सही लेबल उत्पाद बन जाते हैं। बहुत सारे अनूठे फंड हैं, जो निवेशकों को चुनने के लिए बहुत अलग पोर्टफोलियो और विभिन्न प्रकार के जोखिम-रिटर्न प्रोफाइल प्रदान करते हैं। इनके इसी डाईवर्सिफिकेशन की वजह से निवेशकों को यहां पैसे लगाना कम जोखिम वाला लगता है।

निवेशकों को समझना आसान

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने साल 2024 में पैसिव कैटेगरी में 8 नए फंड लॉन्च किए। अब उसके पास उद्योग में 24 ईटीएफ और 21 इंडेक्स फंड हैं। इस श्रेणी को चुनने में निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अन्य एएमसी ने भी कई पैसिव फंड लॉन्च किए हैं। पैसिव फंडों ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है, क्योंकि उनकी लागत संरचना कम होती है और उन्हें समझना आसान होता है, जिससे वे रिटेल और फंड मैनेजर दोनों निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

क्या होते हैं पैसिव फंड

पैसिव म्यूचुअल फंड में किसी सूचकांक या खंड को ट्रैक किया जाता है और इसमें अलग-अलग स्टॉक को चुनने की जरूरत नहीं होती है। इनका खर्चा भी एक्टिव फंड की तुलना में कम आता है। ये फंड बाजार के सूचकांक को दोहराने की कोशिश करते हैं, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करके अपने जोखिम का आकलन करते हैं। जैसा शेयर बाजार प्रदर्शन करता है, उसी के मुताबिक निवेशकों को रिटर्न देते हैं। इन पर जोखिम भी कम होता है और लंबी अवधि में निवेश करने पर ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण

जो लोग सोच रहे हैं कि पैसिव म्यूचुअल फंड क्या हैं, तो इसका जवाब अद्वितीय निवेश दृष्टिकोण में निहित है। अपने सक्रिय समकक्षों के विपरीत, पैसिवली मैनेज्ड फंड बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास नहीं करते हैं। इसके बजाय, उनका प्राथमिक लक्ष्य ऐसे रिटर्न प्राप्त करना है जो बेंचमार्क इंडेक्स को बारीकी से दर्शाते हैं। नतीजतन, फंड मैनेजर की भूमिका अपेक्षाकृत निष्क्रिय होती है, जो एक पोर्टफोलियो संरचना को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है जो इंडेक्स की अंतर्निहित परिसंपत्तियों को दर्शाती है।

कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं

पैसिव फंड्स की मुख्य अपील उनकी कम लागत में निहित है, क्योंकि वे आम तौर पर एक्टिव फंड्स की तुलना में कम प्रबंधन शुल्क लेते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें व्यापक शोध, स्टॉक चयन और लगातार ट्रेडिंग की आवश्यकता नहीं होती है, जो सभी खर्चों को बढ़ा सकते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

पैसिव फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और बाजार के व्यापक क्षेत्रों में एक्सपोजर प्राप्त करने का एक लागत प्रभावी तरीका प्रदान करते हैं। भारत में पैसिव म्यूचुअल फंड्स के उदय के साथ, निवेशकों के पास अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और संभावित रूप से बाजार-मिलान रिटर्न प्राप्त करने के लिए ढेर सारे विकल्प हैं।

तैयारी पिछले साल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ का निवेश हुआ था, दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486% का उछाल आया

गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश कर रहे लोग, करीब 6 गुना बढ़ा जनवरी में 3,751.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर नेट इनफ्लो

दिसंबर 2024 में गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये का निवेश हुआ

इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत में नए साल की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह लगातार 9वां महीना है जब घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। इससे पहले बीते साल अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में नेट आउटफ्लो देखा गया था। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में जनवरी 2025 के दौरान रिकॉर्ड 3,751.42 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले सबसे ज्यादा मंथली नेट इनफ्लो (+1,961.57 करोड़ रुपये) बीते साल अक्टूबर में आया था। पिछले साल की समान अवधि यानी जनवरी 2024 के मुकाबले यह 471 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 16 गोल्ड ईटीएफ में 657.46 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था। पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के मुकाबले देखें तो इसमें 486 फीसदी का उछाल आया है। दिसंबर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 640.16 करोड़ रुपये रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

समझदारी

बिजनेस डेस्क

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी

गोल्ड की कीमतों में शानदार तेजी और लगातार इनफ्लो के चलते जनवरी के अंत में गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर रिकॉर्ड 51,839.39 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि के दौरान यह 27,778.08 करोड़ रुपये था जबकि दिसंबर 2024 में यह 44,595.60 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। जनवरी के दौरान घरेलू स्तर पर गोल्ड की बेंचमार्क कीमतों में 8 फीसदी का इजाफा हुआ। इसी अवधि के दौरान घरेलू इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी क्रमश 0.6 और 0.8 फीसदी टूटे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तो क्रमशः 6 फीसदी और 10 फीसदी की जोरदार गिरावट रही।

क्या कहते हैं आंकड़े

इससे पहले पूरे कैलेंडर ईयर 2024 के दौरान गोल्ड ईटीएफ में कुल 11,266.11 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जबकि कैलेंडर ईयर 2023 के दौरान 2,923.81 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान 11 गोल्ड ईटीएफ में कुल 458.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

2024 में मंथली निवेश/निकासी

- दिसंबर 2024 +640.16 करोड़ रुपये
- नवंबर 2024 +1,256.72 करोड़ रुपये
- अक्टूबर 2024 +1,961.57 करोड़ रुपये
- सितंबर 2024 +1,232.99 करोड़ रुपये
- अगस्त 2024 +1,611.38 करोड़ रुपये
- जुलाई 2024 +1,337.35 करोड़ रुपये
- जून +726.16 करोड़ रुपये
- मई +827.43 करोड़ रुपये
- अप्रैल -395.69 करोड़ रुपये
- मार्च +373.36 करोड़ रुपये
- फरवरी +657.46 करोड़ रुपये
- जनवरी +997.22 करोड़ रुपये

क्यों जमकर लग रहा पैसा

जानकारों के अनुसार इक्विटी में लगातार गिरावट और ग्लोबल अनिश्चितता ने निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। गोल्ड में बेहतर रिटर्न की संभावना के बीच निवेशक फिलहाल अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने के लिए इस एसेट क्लास में ईटीएफ के जरिये जमकर निवेश कर रहे हैं। साथ ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कोई और सीरीज के आगे लॉन्च नहीं होने के आसार और पिछले बजट में टैक्स नियमों में हुए बदलाव के बाद गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है।

ग्लोबल लेवल पर शानदार शुरुआत

ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ के लिए नए साल की शुरुआत शानदार रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल से मिले ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2025 की शुरुआत यानी जनवरी के दौरान ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में निवेश 3 बिलियन डॉलर बढ़ा। वॉल्यूम /होल्डिंग के लिहाज से इस दौरान निवेश में 34.5 टन की वृद्धि हुई। सोने की कीमतों में तेजी और लगातार दूसरे महीने आए इनफ्लो के दम पर जनवरी 2025 के अंत तक गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम और टोटल होल्डिंग बढ़कर क्रमशः रिकॉर्ड 294.2 बिलियन डॉलर और 3,253.3 टन पर पहुंच गए। ग्लोबल लेवल पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच जनवरी में सोने के भाव में तकरीबन 8 फीसदी का इजाफा हुआ।

28.6 टन का आउटफ्लो

पिछले महीने यानी दिसंबर 2024 के दौरान भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 0.3 बिलियन डॉलर यानी 3.6 टन बढ़ा था। हालांकि बीते साल नवंबर में लगातार छह महीने की तेजी के बाद गोल्ड ईटीएफ में 2.1 बिलियन डॉलर यानी 28.6 टन का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।जनवरी के दौरान गोल्ड ईटीएफ को सबसे तगड़ा सपोर्ट यूरोप से मिला। पिछले महीने यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़कर मार्च 2022 के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान यूरोप में 3.4 बिलियन डॉलर (+39 टन) का नेट इनफ्लो देखा गया। ज्यादातर निवेश इंग्लैंड और जर्मनी में आया। हालांकि बीते साल ज्यादातर महीने यूरोप में नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया था। नार्थ अमेरिकी फंडों में लगातार दूसरे महीने जनवरी में आउटफ्लो देखा गया। इस दौरान नार्थ अमेरिकी फंडों से निवेशकों ने नेट 499 मिलियन डॉलर (-5.9 टन) निकाले। जबकि एशियाई फंडों में निवेशकों ने जनवरी में नेट 57 मिलियन डॉलर (+0.3 टन) डाले। एशिया में भारत इनफ्लो के मामले में सबसे आगे रहा। हालांकि चीन में इस दौरान 399.1 मिलियन डॉलर का आउटफ्लो दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

पतंग के मांझे से छात्र घायल

भूना। पतंग के मांझे से एक छात्र घायल हो गया। उसके गले व पांव की उंगली मांझे की चपेट में आने से जख्मी हो गई। लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से उपचार करने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर बाद छात्र सोनू कड़वासरा फतेहाबाद रोड पर अपने घर से अनाज मंडी में मोटरसाइकिल पर जा रहा था। इसी दौरान उसकी गर्दन में चाइनीज मांझा जाने के कारण वह गिर गया था। अगर मोटरसाइकिल की स्पीड अधिक होती तो बड़ी अनहोनी हो जाती।

डोडा पोस्त सहित एक युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत टोहाना पुलिस ने एक युवक को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान नीरज सैनी पुत्र रामभगत निवासी नजदीक काली माता मंदिर, वार्ड नं. 19, टोहाना के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी एसआई देवीलाल ने बताया कि पुलिस की टीम पीएसआई रजत के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी तो उन्हें सूचना मिली कि नीरज नामक युवक अपने मकान में नशा बेचने का काम करता है।

1.79 लाख की धोखाधड़ी के दो आरोपी दबोचे

सिरसा। साइबर थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते साइबर धोखाधड़ी के मामले में दो युवकों को राजस्थान के जोधपुर व सूरतगढ क्षेत्र से काबू कर किया है। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान तरुण पुत्र श्रवण सिंह निवासी वार्ड नंबर 17 आरसीपी कॉलोनी सूरतगढ राजस्थान व प्रदीप कुमार पुत्र फरसा राम निवासी श्रीसुरपुरा जिला जोधपुर राजस्थान के रुप में हुई है।

ब्यूटी पार्लर प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

सिरसा। राजकीय नेशनल महाविद्यालय में सौंदर्य देखभाल और ब्यूटी पार्लर प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. हरविंद्र सिंह ने बताया कि कार्यकारी प्राचार्य प्रो. हरजिंद्र सिंह के संरक्षण व महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीत के संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता कॉलेज कौंसिल सदस्य डॉ. प्रीती मोंगा ने की। कार्यशाला में शीला ब्यूटी पार्लर, सिरसा की संचालिका ज्योति रानी ने मुख्य सौंदर्य प्रशिक्षिका के तौर पर शिरकत की।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में मीनल रही अव्वल

सिरसा। सीएमके कॉलेज में शनिवार को निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के लेखन कौशल को बढ़ाना व विचारों की अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना रहा। प्राचार्या डॉ. रंजना ग्रोवर ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को अपनी योग्यता और कौशल को साबित करने का अवसर मिलता है।

राजकीय महिला महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

आप ही मैरी कॉम, आप ही पीटी उषा, स्वयं को पहचानेः डॉ. वंदना

ऐसे आयोजनों से छात्राओं को आगे बढ़ने की मिलती है प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हिसार। विजेता खिलाड़ी को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डॉ. विवेक सैनी। फोटो: हरिभूमि

हिसार। इंटर-पॉलिटेक्निक कबड्डी टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीतने वाली टीम अधिकारियों के साथ। फोटो: हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय मंगाली के पूर्व प्राचार्या डॉ. वंदना बिश्नोई ने किया। प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की कुमारी गीता को बेस्ट एथलिट के पुरस्कार से नवाजा गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को समारोह के अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि डॉ. बिश्नोई ने प्रतिभागी छात्राओं मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि छात्राओं के लिए पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेने के सुअवसर का लाभ उठाना चाहिए। आपकी साल भर की मेहनत का रंग आज इस आयोजन में दिखेगा। सफलता मिलने या न मिलना यह आवश्यक नहीं है। छात्राओं का प्रतियोगिता में भाग लेना जरूरी होता है। इससे आपके व्यक्तित्व का विकास होता है। आप ही मेरी कॉम है, आप ही पीटी उषा हैं, बस आप अपने अंदर की शक्ति को पहचानो। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथिं के रूप में राजकीय महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. पदम शर्मा, डॉ .बलजीत, पूर्व प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य, डॉ. जे सी नूनिया, डॉ. पीसी चावला पहुंची। प्राचार्य डॉ सतबीर सिंह सांगा ने कॉलेज में आए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कबड्डी में पॉलिटेक्निक आदमपुर ने जीता कांस्य

मंडी आदमपुर। बीपीएस खानपुर कला में आयोजित इंटर-पॉलिटेक्निक कबड्डी टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीतने के बाद राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर की छात्राओ की कबड्डी टीम का लौटने पर माला पहना कर स्वागत किया गया। टुर्नामेंट में विभिन्न बहुतकनीकी संस्थानों की टीमों ने भाग लिया। संस्थान की टीम ने वरिष्ठ प्राध्यापक संजीव श्योरान के दिशा निर्देशन में पूरे मैच में उल्लेखनीय ताकत, रणनीति और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। कुमारी पूजा ने भी टीम को प्रोत्साहित किया और अंत में टीम ने टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत ने कहा कि छात्राओ की कबड्डी टीम की सफलता महत्वाकांक्षी खिलाड़ियो के लिए प्रेरणा का काम करती है और प्रतिस्पर्धी खेलों में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति को पुष्ट करती है। इस अवसर पर मौजूद प्राध्यापक गुलशन भयाना व पारुल शर्मा ने भी खिलाड़ियो को बधाई दी व उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन की प्रशंसा की।

हिसार। विजेता बच्चों को सम्मानित करते स्कूल के चेयरमैन हरिपाल पिलानिया, मुख्य अध्यापिका नीलम पिलानिया। फोटो: हरिभूमि

लॉन्ग जंप में आशिमा प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

- विजडम स्कूल में वार्षिक एथलेटिक्स मीट का आयोजन

विज्डम स्कूल, हिसार में कक्षा 5 से 9 तक के छात्रों के लिए वार्षिक एथलेटिक्स मीट का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत व मार्च पास्ट प्रस्तुत किया, जिसने सभी का मन मोह लिया। स्कूल के चेयरमैन हरिपाल पिलानिया ने स्वागत भाषण देते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को सदैव खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। खेल ज्योति प्रज्ज्वलन और ध्वजारोहण के साथ ही ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन श्रवण हाउस रहा । लॉन्ग जंप में अंडर-14 गर्ल्स कैटेगरी में आशिमा ने पहले मानसी ने दूसरा और एलिना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, अंडर-17 गर्ल्स कैटेगरी में इशिता ने पहले चंचल ने दूसरा चेतन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 बॉयज कैटिगरी में आर्य ने पहला यश ने दूसरा और दक्ष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 बॉयज कैटेगरी में रमन ने पहले अल्केश ने दूसरा और हर्ष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

शॉट पुट गेम में अंडर-14 बॉयज कैटिगरी में राघव ने पहले वैभव ने दूसरा और दक्ष जोशी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

100 मीटर रेस में अंडर-17 बॉयज कैटिगरी में सत्यार्थ ने गोल्ड मेडल जीता, 400 मीटर रेस में हार्दिक ने गोल्ड मेडल जीता, 400 मीटर अंडर- 14 गर्ल्स कैटेगरी में नीलम ने गोल्ड मेडल जीता, अंडर-14 गर्ल्स कैटेगरी में 1500 मीटर की रेस में खुशी ने गोल्ड मेडल जीता। कार्यक्रम में मुख्य अध्यापिका नीलम पिलानिया जी ने सभी प्रतिभागियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी ।

नशे से दूर रहें युवाः डीएसपी

- नारनौंद व बास के गांवों का दौरा कर सुनी शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶नारनौंद

नारनौंद। गांव में लोगों को नशा के प्रति जागरुक करते हुए डीएसपी राज सिंह लाला व अन्य। फोटो: हरिभूमि

पुलिस उप अधीक्षक राज सिंह लालका ने गांव थाना नारनौंद के गांव थुराना, पाली, ढाणी ब्राह्मण, राजपुरा, माडा व थाना बास के गांव मदन हेड़ी, सिंघवा खास, मोहला, भाकलना,खेड़ा रंगड़ान का दौरा कर ग्राम वासियों को नशे, साइबर क्राइम व ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरुक किया। पुलिस उप अधीक्षक ने ग्राम वासियों से मुलाकात कर गांव की सुरक्षा व पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में पूछा और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों से बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस और आमजन अगर तालमेल के साथ कार्य करें तो अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

गांव में आपसी भाईचारा वा सौहार्द बना कर रखें। उन्होंने कहा कि नशा समाज को खोखला कर रहा है। हम सब की ये नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम सब नशे से दूर रहे और दूसरो को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करे। नशा बेचने वाला खुद भी बर्बाद होता है और दूसरो को भी बर्बाद करते है। इस समस्या को जड़ से खत्म करना है।

अश्व अनुसंधान केंद्र का किया शैक्षाणिक भ्रमण

- दयानंद कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्राप्त की जानकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हिसार। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र में जाने वाले विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

दयानंद कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र का शैक्षाणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अनेक जानकारियां प्राप्त की। शैक्षणिक भ्रमण पर जाने से पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने शनिवार को सभी विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए कहा कि महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को एक्सपेरिएंशल लर्निंग के तहत विभिन्न विश्वविद्यालयों, औद्योगिक संस्थानों की फील्ड विजिट के लिए भेजा जाता है। दयानंद महाविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के लिए एक्सपेरिएंशल लर्निंग के तहत राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र का शैक्षणिक भमण का आयोजन करवाया। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने डॉ. राजरानी व डॉ. आशा रानी के नेतृत्व में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के उपकरणों व तकनीको की जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अजमेर सिंह व डॉ. तरुणा ने विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी से सम्बन्धित प्रयोगों तथा वैक्सीन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

एनएसएस सिखता हैं एकता का महत्व

- महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हिसार। एनएसएस शिविर के शुभारंभ मौके पर उपस्थित अतिथिगण।

भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज की एनएसएस यूनिट द्वारा महाविद्यालय में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में रावलवास खुर्द गांव की सरपंच राजेश कुमारी और विशिष्ट अतिथि के तौर पर बालसमंद पीआरटी शंकरलाल उपस्थित हुए।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का आगाज अतिथियों तथा महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान, महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा, प्राचार्या डॉ. शमीम शर्मा व एनएसएस प्रभारी राजबाला ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया। एनएसएस प्रभारी राजबाला ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों और स्वयंसेविकाओं का अभिनंदन किया।

स्वयंसेविकाओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान ने कहा कि एनएसएस में हम एकता का महत्व सीखते हैं। हम सीखते हैं कि जब हम एक साथ काम करते हैं, तो हम मिलकर समाज उत्थान के कार्य में भागीदार होते हैं। एनएसएस स्वयंसेविकाओं द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई जिसमें छात्राओं ने एनएसएस गीत, एनएसएस के महत्व पर भाषण, हरियाणवी व पंजाबी नृत्य शामिल हैं।

सीआर कॉलेज में दी एल्बेंडाजोल

- प्राचार्या ने छात्राओं को बताया दवाई का महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हिसार। राष्ट्रीय कृमि मुक्त अभियान के मौके पर उपस्थित प्राचार्या डॉ. उर्मिला मलिक व अन्य। फोटो: हरिभूमि

लघु सचिवालय आवासीय कॉलोनी में स्थित सरकारी डिस्पेंसरी के सौजन्य से राष्ट्रीय कृमि मुक्त अभियान के तहत महाविद्यालय के विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई गई। प्राचार्या डॉ. उर्मिला मलिक ने बताया कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को परजीवी कृमि संक्रमण से बचाना है। 19 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों कोएल्बेंडाजोल गोली खिलाई जाती है ताकि स्वास्थ्य की दृष्टि से भविष्य में विद्यार्थी सुरक्षित रहें। एल्बेंडाजोल एक ऐसी दवा होती है जो पेट के कीड़ों को खत्म कर विद्यार्थियों का शारीरिक व मानसिक विकास में मदद करती है। इस कार्यक्रम में डिस्पेंसरी की डॉ रितु सिंगला, उनके सहयोगी, डॉ. पूनम, डॉ. मोनिका की अहम भूमिका रही।

कुंभा के कैलाश पूरी मंदिर में वार्षिक मेला

सच्चाई से करें समाजहित में काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶हांसी

हांसी। मेले के दौरान महंत कपिल गिरी को कृत्रिम घोंसले व पौधा भेंट करते भूमि मित्र फाउंडेशन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

कुम्भा गांव स्थित बाबा कैलाश पूरी-बिलाश पूरी मंदिर में शनिवार को वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। मेले में खरकड़ा, कुम्भा व थुराना सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में भक्तजनों ने शिरकत की, दो दिन चले मेले से गांव का पूरा माहौल भक्तिमय रहा। मेले के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। मेले के दौरान भजन गायक सुमित कलानौर ने अपने भजनों से समा बांधा। डेरा प्रमुख महंत कपिल गिरी ने सत्संग में पहुंचे लोगों को सच्चाई के मार्ग पर चलने और समाज हित कार्यों में सेवा करने का संदेश दिया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले किए सम्मानित

मेले में भूमि मित्र संगठन के सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों को पर्यावरण बारे में जागरूक करते हुए महंतों को कृत्रिम घोंसले भेंट करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण और उनके संरक्षण की अपील की। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुकेश कुमार और रविंदर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुंभा गांव के सरपंच भूमि मित्र अमनदीप पन्नू, दीपक, विक्रम बामल, विशाल, सुमित सिंघमार, मास्टर शिवकुमार, अभिताभ दलाल, नवीन कौशिक इत्यादि सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जिंदगी को असूलों से जीये : दिनेश मुनि

- जैन स्थानक में बच्चों के लिए शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हिसार। जैन स्थानक में बच्चों के आयोजित शिविर में भाग लेते बच्चे।

गुरु सुदर्शन संघ के मुनिराज संघ नायक शास्त्री पदम चंद महाराज के सुशिष्य एवं संघ संचालक नरेश चंद महाराज के आज्ञानुवर्ती पं. दिनेश मुनि महाराज व विनीत मुनि महाराज के सानिध्य में पीएलए स्थित जैन स्थानक में बच्चों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें नगर के विभिन्न स्थानों से आए बच्चों ने भाग लिया। इस शिविर में बच्चों के उत्थान के लिए अनेक तरह की प्रतियोगिताएं करवाई गई। बच्चों के रहने, खाने-पीने आदि का सब प्रबंध जैन स्थानक में ही किया गया। शिविर के साथ ही जैन स्थानक में आयोजित धर्म सभा की शुरुआत दिनेश मुनि महाराज ने भजन गाकर की। शनिवार को प्रवचन देते हुए दिनेश मुनि महाराज ने कहा कि जिंदगी जीने के लिए जीवन में कुछ असूल अवश्य बनाएं और उन पर चलते हुए अडिग रहें। उन्होंने कहा कि जीवन में अनेक तरह की बाधाएं आती हैं किंतु उन बाधाओं को समझदारी से दूर करने पर व्यक्ति में अलग तरह का निखार आता है, जो भविष्य के लिए सुखदायक होता है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं किंतु मनुष्य को अपने असूलों पर चलना चाहिए।

छोटे शब्द का बड़ा महत्व

इससे पूर्व विनीत मुनि महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि त्याग छोटा सा शब्द है किंतु इसका मतलब बहुत बड़ा है। त्याग करना हर किसी के बस की बात नहीं है। आजकल प्रतिस्पर्धा का युग है। इस अवसर पर तरुण जैन, दर्शन जैन, प्रवीन जैन, भरतराम, आदिश जैन, सुनील, अनिल, विनोद, अशोक, राजकुमार, दिनेश, मुकेश, प्रवीण, संजीव, दीपक, संतोष, प्रमोद, तन्मय सहित सैंकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

रोटरी ने दिव्यांग केंद्र में लगाया शिविर

हिसार। रोटरी हिसार ने दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में निशुल्क नेत्र ऑपरेशन का शिविर लगाया। इस शिविर में आंखों के सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित जरूरतमंद 16 बुजुर्गों के नेत्र ऑपरेशन फ्री किए गए। इस दौरान डॉ. रिपन कामरा, ईश्वर बड़ोपलिया, श्रवण बंसल व सीए प्रणय अग्रवाल सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल, सचिव एडवोकेट राजेश जैन व प्रोजेक्ट हेड रामनिवास अग्रवाल इस मौके पर मौजूद रहे।

कार सवार 5.49 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

हिसार। नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की नशा निरोधक टीम ने महलसरा पुल के पास से एक ऑल्टो कार सवार युवक को काबू करके 5.49 ग्राम हेरोइन बरामद की है। एएसआई जगदीश ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर गांव महलसरा के पास से एक ऑल्टो कार सवार युवक को काबू किया। पूछताछ में मंडी आदमपुर में रहने वाले महलसरा निवासी राजकुमार उर्फ राजा बताया। तलाशी लेने पर राजकुमार उर्फ राजा के कब्जे से एक पॉलिथीन की थैली में 5.49 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने हेरोइन व ऑल्टो कार को कब्जे लेकिन राजकुमार उर्फ राजा को गिरफ्तार कर लिया।

महाकुंभ : रेलवे ने कुछ सेवाओं में किया बदलाव

हिसार। उत्तर पश्चिम रेलवे ने महाकुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है। इस दौरान कुछ नियमित ट्रेन सेवाएं प्रभावित होगी। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि जींद-हिसार-जींद और नई दिल्ली-हिसार-नई दिल्ली रूट पर चलने वाली ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से रोका जाएगा।रेलवे ने यह निर्णय महाकुंभ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए लिया है। इन ट्रेनों के रेक का उपयोग महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों के लिए किया जाएगा।

जेईई मेन्स मे अभिमन्यु साईं का शानदार प्रदर्शन

हिसार। जेईई मेन्स फर्स्ट में हिसार के अभिमन्यु साईं ने 99.08 परसेंटाइल लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अभिमन्यु के पिता डॉ. सूरज साईं वरिष्ठ वॉलीबॉल कोच एवं योग गुरु और माता रूमन सामाजिक विज्ञान की शिक्षक हैं। डॉ सूरज ने बताया कि अभिमन्यु बचपन से ही समय सारिणी का अनुसरण करते हुए 15 से 18 घंटे प्रतिदिन पढ़ाई करता रहा। अभिमन्यु की बहन ऐनजल ने भी जेईई एडवांस में उत्कृष्ट रैंक हासिल किया था। इस अवसर पर अभिमन्यु के शिक्षक गगनदीप, शोभित जैन, सतीश कुमार यादव ने बधाई दी और उसके आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

हिसार एडीसी की उपस्थिति में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जाएगा

पंचायत समिति खंड द्वितीय के चेयरमैन के खिलाफ कल होगी अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग

बीते दिनों अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पंचायत समिति के 18 में से 13 सदस्य हिसार में एडीसी से मिले थे

खंड प्रथम के उपप्रधान ने इस्तीफा सौंपा

बता दें कि नौ जनवरी को पंचायत समिति खंड प्रथम की चेयरपर्सन निर्मला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित हुआ था। तब हुई वोटिंग में 29 में से 26 सदस्यों ने उनके खिलाफ मतदान किया था। अगली चेयरपर्सन चुने जाने तक बीडीपीओ ही चेयरपर्सन का कार्यभार देख रहे हैं। अभी नए चेयरमैन के लिए चुनाव नहीं हुआ है। नए चेयरमैन के लिए एक सदस्य पर सभी सर्वसम्मति बना चुके हैं। वहीं खंड प्रथम के उप प्रधान दयानंद ने डीसी को इस्तीफा सौंपा। वह वार्ड 19 के पंचायत समिति के सदस्य हैं। करीब दो वर्ष पहले वह उपप्रधान चुने गए थे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

पंचायत समिति खंड द्वितीय के चेयरमैन कुलदीप के खिलाफ 17 फरवरी को पंचायत समिति सदस्यों द्वारा एडीसी हिसार की उपस्थिति में अविश्वास प्रस्ताव पेश होगा। वहीं खंड प्रथम के उपप्रधान ने डीसी को इस्तीफा सौंपा दिया। अविश्वास प्रस्ताव के दौरान खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में मौजूद होने के लिए पंचायत समिति सदस्यों को सूचना भी दी गई है। बता दें कि बीते दिनों अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पंचायत समिति के 18 में से 13 सदस्य हिसार में एडीसी से मिले थे। सदस्यों ने चेयरमैन की कार्यप्रणाली पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए उसे हटाने की मांग की थी। सदस्यों का कहना था कि चेयरमैन ने खुद के काम करवाए हैं। दूसरों के काम नहीं करवाए, जिससे वह नाराज थे। इसलिए वह मौजूदा चेयरमैन कुलदीप को बदलना चाहते हैं।

उमरा के ग्रामीण बोले, घरों के बाहर बिजली मीटर नहीं लगाने देंगे

- खंभों पर बिजली मीटर लगाने के विरोध में उमरा में ग्रामीणों ने की पंचायत
- एसडीओ के माध्यम से सोमवार को एक्सईएन के नाम ज्ञापन जाएगा सौंपा

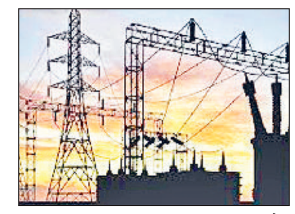

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

उमरा गांव में घरों के बाहर बिजली मीटर व तार लगाने के काम के विरोध में गांव के हॉकी ग्राउंड खेल स्टेडियम में एक पंचायत का आयोजन किया गया। बैठक में फैसला लिया गया कि गांव में घरों के बाहर बिजली मीटर नहीं लगने दिए जाएंगे। इसके लिए सोमवार को एसडीओ के माध्यम से एक्सईएन के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। बता दें कि उमरा गांव का चयन जगमग योजना में हुआ है। इसके तहत जनवरी महीने से गांव में बिजली के पोल व तारों को बदलने का काम शुरू हुआ है। गांव में करीब 2400 बिजली मीटर हैं, जिन्हें बदलने की योजना है। ग्रामीणों को सूचना मिली की यहां पर स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जाएंगे। इसलिए ग्रामीणों ने शुक्रवार को बैठक कर बिजली निगम द्वारा घरों के बाहर मीटर लगाने की योजना का विरोध किया। बैठक में भारतीय किसान यूनियन मांगे राम मलिक गुट के संयोजक रणवीर मलिक ने बताया कि हरियाणा सरकार की तरफ से प्रीपेड मीटर लगाने की एक मुहिम चलाई जा रही है। उसके तहत गांव के अंदर बिजली के पोल व बिजली के तार बदले जा रहे हैं। प्रशासन को बताना चाहते हैं कि जहां पर बिजली के पोल कंडम हैं उनको प्रशासन बदल सकता है, लेकिन वह गांव के अंदर जो केबल व मीटर बदलने का काम प्रशासन की ओर से किया जा रहा है। उनको हम नहीं बदलने देंगे। इस संबंध में हम सोमवार को उमरा बिजली घर के अंदर एसडीओ के माध्यम से एक्सईएन व अन्य अधिकारियों के नाम एक ज्ञापन सौंपेंगे। गांव के अंदर वह किसी भी कीमत पर स्मार्ट मीटर बिजली विभाग को नहीं लगने देंगे। बैठक में कृष्ण मालिक उमरा, सूबेदार पाले राम, मास्टर बलराज सिंह, छोटू सोनी, नरेश, बारुराम जांगडा व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

जगमग योजना के तहत चल रहा काम

फिलहाल गांव में कोई बिजली मीटर नहीं लगाए जा रहे हैं। गांव में जगमग योजना के तहत काम चल रहा है। अभी बिजली के पोल बदलने का काम कर रहे हैं। फिर बिजली के तार बदले जाएंगे। बिजली के मीटर सामान्य लगेंगे।

-मोहन लाल, एसडीओ, सब अर्बन डिविजन, बिजली निगम, हांसी

सुअर चोरी के दो मामलों में चार गिरफ्तार

हिसार। पुलिस ने गांव ख़ैरमपुर और ढंढूर से सुअर चोरी के दो मामलों में चार आरोपियों सिवानी निवासी वजीर व संदीप, भिवानी के छपार निवासी राहुल और फतेहाबद के जांडवाला विकास को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से 7 सुअर, 40 हजार रुपए, एक डिजायर और एक पिकअप गाड़ी बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना आदमपुर में ख़ैरमपुर निवासी मिठू ने उसके सुअर फार्म से 14-15 जनवरी की रात में 12 सुअर चोरी होने की शिकायत दी थी। इस पर आदमपुर थाना में केस दर्ज करके कार्रवाई करते हुए एबीवीटी और आदमपुर थाना पुलिस ने उपरोक्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सिवानी निवासी वजीर व संदीप, छपार निवासी राहुल को गिरफ्तार कर इनसे 40 हजार रुपए और एक डिजायर गाड़ी बरामद की है। इसके साथ ही एबीवीटी और सदर थाना टीम ने 11-12 फरवरी की रात में गांव ढंढूर सुअर फार्म से सात सुअर चोरी के मामले में एक आरोपी जांडवाला निवासी विकास को गिरफ्तार किया है।

- आरोपियों से 7 सुअर 40 हजार रुपये, एक डिजायर व एक पिकअप गाड़ी बरामद

पुलिस ने आरोपी विकास से सात सुअर और एक पिकअप गाड़ी बरामद की है। आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

स्टेम मेले का आयोजन किया

- राजकीय उच्च विद्यालय माजोद में विद्यार्थियों ने तरह- तरह के मॉडल बनाकर शिक्षकों को हतप्रभ कर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

राजकीय उच्च विद्यालय माजोद में स्टेम मेले का आयोजन किया गया। मेले में बच्चों ने विज्ञान व गणित के विभिन्न मॉडलों को प्रदर्शित किया तथा विज्ञान के विभिन्न प्रसंगों को करके दिखाया। इनके माध्यम से बच्चों ने विज्ञान व गणित के नियमों की नियमों को भी समझाया। मेले में मुख्याध्यापिका अंजू बाला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विज्ञान अध्यापिका अंशु यादव व गणित अध्यापक सतपाल जांगड़ा को मेले का सफल आयोजन के लिए बधाई दी।विज्ञान और गणित विषय में बच्चों की गहरी रुचि को देखकर सभी अभिभूत थे इस मेले में वर्क एजुकेशन इंचार्ज संगीता देवी ने अपनी कार्य कलाकृतियों की सजावट कर मेले की शोभा को और बढ़ा दिया। मेले में विद्यालय के अध्यापक संतलाल, बलवान सिंह, सतबीर सिंह, विजेंद्र सिंह, वेद प्रकाश सुनीता देवी उर्मिला व सोनिया सहित स्कूल के बच्चे व अभिभावक उपस्थित थे।

हांसी। मेले में लगाई गई स्टाल का निरीक्षण करते स्कूल प्राचार्य मुख्याध्यापिका अंजू बाला *फोटो : हरिभूमि*

छात्रों को तनाव प्रबंधन के बारे में दी जानकारी

- गुरुकुल आर्यनगर में मनोचिकित्सा जागरूकता शिविर लगाकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

छात्रों को मनोविज्ञान के विभिन्न पहलुओं से रूबरू करवाने और मनोचिकित्सा की जानकारी प्रदान करने के लिए गुरुकुल आर्यनगर में जागरूकता शिविर कर आयोजन किया गया।

इस शिविर में परिवर्तन अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. कर्णजीत सिंह, डॉ. रितु खुराना व मनोवैज्ञानिक डॉ. सीमा ने छात्रों को मानसिक अवस्था के विभिन्न चरणों की जानकारी दी और तनाव रहित रहकर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के उपाय समझाए। इसके साथ ही उन्हें गुड टच व बैड टच के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। गुरुकुल के कार्यकारी प्रधान रामकुमार आर्य व मंत्री एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल शनिवार को विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रचनात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। रामकुमार आर्य व एडवोकेट खोवाल ने चिकित्सकों को स्मृति चिह्न प्रदान करके सम्मानित भी किया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर ब्रह्मचारी दीप कुमार, सत्यव्रत आर्य, श्वेता शर्मा एडवोकेट, हिमांशु आर्य खोवाल एडवोकेट, शबनम एडवोकेट, प्राचार्य विनय मल्होत्रा, प्रबंधक सुरेश शास्त्री, रमेश शास्त्री, सुनील कुमार, विनोद कुमार, करण शर्मा व अश्विनी कुमार शास्त्री भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हिसार। गुरुकुल आर्यनगर में जागरूकता शिविर के दौरान उपस्थित मनोचिकित्सक व पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

यदुवंशी शिक्षा निकेतन प्रतियोगिता का आयोजन

- दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए तिलक एवं दही-मिश्री खिलाकर शुभकामनाएं दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के प्रांगण में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शनिवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विदाई समारोह आयोजित कर दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए तिलक एवं दही-मिश्री खिलाकर शुभकामनाएं दी और बच्चों ने अपने मंगल की कामना करते हुए श्लोक व ओउम् का उच्चारण किया। वहीं नर्सरी से पांचवी कक्षा तक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा को रोचक बनाने के प्रयास किए गए। इस अवसर पर नर्सरी कक्षा के छात्रों ने फलों एवं सब्जियों में अंतर समझा। एलकेजी के बच्चों को अनुशासन और अच्छे व्यवहार का पाठ पढ़ाया गया। यूकेजी के छात्रों ने आर्टिकल का प्रयोग करना सीखा। पहली कक्षा के विद्यार्थियों ने कलात्मक अभिव्यक्ति के तहत कंपाउंड वर्ड्स सीखे। दूसरी के बच्चों ने मुद्रा ज्ञान (मुद्रा पहचान) प्रतियोगिता में भाग लिया। छठी से आठवीं कक्षा तक के छात्रों ने भी संस्कृत श्लोक प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्लोक प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को गीता का ज्ञान दिया गया और संस्कृत भाषा के महत्व से अवगत करवाया गया। यदुवंशी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक एवं चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने बच्चों को बोर्ड परीक्षा में तनाव मुक्त रहने के टिप्स दिए।

हांसी। मुद्रा पहचान प्रतियोगिता में नोटों की पहचान करते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

लीडिंग स्कूल डायरेक्टर के जन्मदिन पर हेल्थ कैंप लगाया

- विद्यालय परिसर में हेल्थ कैंप, ब्लड डोनेशन कैंप, दांतों की जांच और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

लीडिंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर डॉ. एसपी पंघाल के 60वें जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय परिसर में हेल्थ कैंप, ब्लड डोनेशन कैंप, दांतों की जांच और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉक्टरों की टीम ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच की और जरूरतमंदों को चिकित्सा परामर्श दिया। सामाजिक सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए, भाग्यश्री महिला अनाथ आश्रम को 11 हजार रुपये का दान भी प्रदान किया गया। इस पहल से अनाथ आश्रम की बच्चियों को सहायता मिलेगी। विद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन में शामिल सभी चिकित्सकों, रक्तदाताओं और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल स्टाफ व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

सेंट कबीर में ग्रैंडपेरेंट्स-डे मनाया

हिसार। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

सेंट कबीर विद्यालय में ग्रैंडपेरेंट्स डे का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें प्री प्राइमरी के बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न ऋतुओं और उनकी महत्ता को नृत्य नाटिका द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इसके अलावा, छात्रों ने देश के विभिन्न प्रांतों की झांकियां और नृत्य प्रस्तुत किए, जिससे विविधता में एकता का अद्भुत नज़ारा देखने को मिला।

कार्यक्रम के समापन पर बच्चों ने हम रहें या न रहें देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर देशप्रेम की भावना को प्रबल बनाए रखा। विद्यालय निदेशिका नेहा सिंह ने सभी दादा-दादी का विद्यालय में आने के लिए आभार व्यक्त किया और उनके सानिध्य को जीवन का आधार बताया।

बैंक कर्मी 24 और 25 मार्च को करेंगे दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह, कर्मचारियों की भर्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मचारियों ने जाट कॉलेज रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य शाखा के समक्ष नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इसके साथ ही कर्मचारियों ने मार्च में हड़ताल करने की घोषणा की। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले शनिवार को आयोजित इस प्रदर्शन में ग्राहक सेवा और कर्मचारी कल्याण दोनों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रमुख मांगों पर प्रकाश डाला गया। नेताओं ने बताया कि ये प्रदर्शन एक व्यापक आंदोलन कार्यक्रम का हिस्सा है जिसमें 3 मार्च को दिल्ली में धरना और 24 और 25 मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल शामिल है। यूनियन नेताओं ने कहा कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आने वाले हफ्तों में अपने विरोध प्रदर्शन को तेज करेंगे। इस अवसर पर राजकुमार पूनिया, आशीष पंघाल, कुलजीत बैनीवाल, सुरेश जांगड़ा, सीमा खटकड़, ऊषा यादव, विनोद कुमार व ममता सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हिसार। भारतीय स्टेट बैंक हिसार मुख्य शाखा के बाहर प्रदर्शन करते बैंक कर्मचारी।

ये है कर्मचारियों की मुख्य मांगे

यूनियनों की एक मुख्य मांग बैंकिंग उद्योग में 5-दिवसीय कार्य सप्ताह की शुरुआत है। यूनियन नेताओं ने बताया कि मार्च 2024 के द्विपक्षीय समझौते और संयुक्त नोट के दौरान, भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और यूनियनों ने 5-दिवसीय सप्ताह को लागू करने के लिए एक समझौता किया था और एक औपचारिक सिफारिश को मंजूरी के लिए सरकार को भेज दिया गया। लगभग एक साल बीत चुका है और सरकार ने अभी तक इस बदलाव को अधिसूचित नहीं किया है। यूएफ बीयू के प्रवक्ता ने कहा, 24 गुणा 7 डिजिटल बैंकिंग सेवाएं पहले से ही उपलब्ध हैं और अधिकांश सरकारी और कोऑपरेटिव कार्यालय सप्ताह में पांच दिन काम करते हैं, इसलिए बैंकिंग क्षेत्र में इसे तुरंत प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। इससे ग्राहक सेवा और उत्पादकता में बढ़ोतरी ही होगी।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी आ गई जेनरेशन बीटा

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उससे पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 को खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनवेवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेंड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

सजेशन
रजनी अरोड़ा

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइमः जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यानः डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देनाः संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावाः जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारीः एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

कहानी
शुभदा मिश्र

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिकाः निकट-40 (कहानी विशेषांक), **संपादकः** कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे। इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। ✻

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था का इंतजाम भी किया जा चुका है।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और यह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लॉई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। ✻

न्यू ट्रेंड

संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनेबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। ✻

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात

पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

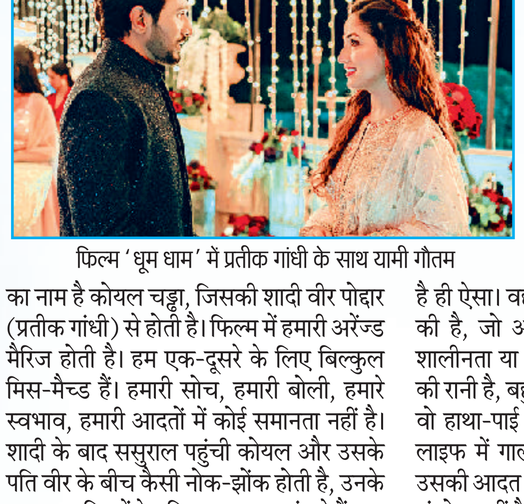

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। ✻

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं, 'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'